

## डिजिटल कंटेंट (Digital Content Creation) क्रिएशन के स्तर और उपयोग

डॉ. करसन एन रावत

नरोडा कॉलेज अहमदाबाद, मो. 9979593686

Email. [ravatkarasan66@gmail.com](mailto:ravatkarasan66@gmail.com)

### Paper Abstract:

21वीं सदी को सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का युग कहा जाता है। इस युग में शिक्षा के क्षेत्र में सबसे बड़ा परिवर्तन डिजिटल कंटेंट के माध्यम से आया है। पहले जहाँ शिक्षण केवल पुस्तकों, ब्लैकबोर्ड और शिक्षक के वाचन पर आधारित था, वहीं आज ज्ञान की पहुँच डिजिटल माध्यमों से असीमित हो गई है। डिजिटल कंटेंट क्रिएशन (Digital Content Creation) डिजिटल प्लेटफॉर्म पर टेक्स्ट, वीडियो, ऑडियो और इमेज जैसे विभिन्न प्रकार की सामग्री बनाने की प्रक्रिया है। इसमें मनोरंजन, सूचना या विपणन के उद्देश्यों के लिए सामग्री विकसित करना, उत्पादन करना और वितरित करना शामिल है, जैसे कि वेबसाइट, ब्लॉग, सोशल मीडिया पोस्ट, पॉडकास्ट और वीडियो। यह एक तेजी से बढ़ता उद्योग है जो क्रिएटर्स और व्यवसायों दोनों के लिए कई अवसर प्रदान करता है। यह हमारी सोच, संस्कृति और संवाद शैली को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। डिजिटल कंटेंट ने शिक्षण की पद्धति को न केवल सुविधाजनक बनाया है, बल्कि उसे सक्रिय, रोचक और इंटरएक्टिव भी बना दिया है।

### Paper Keywords:

डिजिटल कंटेंट - डिजिटल प्लेटफॉर्म पर टेक्स्ट, वीडियो, ऑडियो और इमेज जैसे विभिन्न प्रकार की सामग्री बनाने की प्रक्रिया है।

टेक्स्ट कंटेंट - ब्लॉग, लेख, न्यूज आर्टिकल, ई-बुक्स, सोशल मीडिया पोस्ट और वेबसाइट सामग्री बनाने की प्रक्रिया।

विज़ुअल कंटेंट - तस्वीरें, ग्राफिक्स, इन्फोग्राफिक्स, मीम्स, स्लाइड्स आदि बनाने की प्रक्रिया।

ऑडियो कंटेंट - वीडियो, रील्स, ट्यूटोरियल्स, विज्ञापन वीडियो आदि बनाने की प्रक्रिया।

डिजिटल कंटेंट में नयी तकनीक - आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), वर्चुअल रियलिटी (VR), और मेटावर्स जैसी तकनीकें डिजिटल कंटेंट के निर्माण में उपयोगी सामग्री।

Paper Title: डिजिटल कंटेंट (Digital Content Creation) क्रिएशन के स्तर और उपयोग

### 1. प्रस्तावना

आज के युग में “डिजिटल” शब्द हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। शिक्षा, व्यापार, मनोरंजन, संचार, जानकारी प्राप्ति – हर क्षेत्र में डिजिटल माध्यमों ने अपनी जगह बना ली है। इसी डिजिटल क्रांति का एक प्रमुख आधार है डिजिटल कंटेंट (Digital Content), जिसे हम सामान्य भाषा में ऑनलाइन सामग्री भी कह सकते हैं। डिजिटल कंटेंट वह माध्यम है जिसके ज़रिए सूचना, विचार, ज्ञान,

कला या मनोरंजन डिजिटल प्लेटफॉर्म पर प्रस्तुत किया जाता है। यह इंटरनेट, सोशल मीडिया, वेबसाइट, ब्लॉग, मोबाइल ऐप्स, या किसी भी डिजिटल डिवाइस के माध्यम से लोगों तक पहुँचता है।

## 2. डिजिटल कंटेंट की परिभाषा

डिजिटल कंटेंट वह सामग्री है जो डिजिटल प्रारूप में तैयार, संग्रहीत, प्रसारित और प्रदर्शित की जाती है। यह किसी भी प्रकार का टेक्स्ट (Text), चित्र (Image), वीडियो (Video), ऑडियो (Audio), इन्फोग्राफिक, पॉडकास्ट, ई-बुक, या वेब पेज हो सकता है, जिसे कंप्यूटर या मोबाइल डिवाइस पर देखा या सुना जा सकता है।

विश्व स्तर पर स्वीकृत परिभाषा के अनुसार,

“Digital content refers to any form of media that exists in the form of digital data and can be distributed electronically through digital devices.”<sup>1</sup>

अर्थात्, डिजिटल कंटेंट वह सारी सामग्री है जो डिजिटल डेटा के रूप में मौजूद होती है और जिसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से साझा किया जा सकता है।

## 3. डिजिटल कंटेंट के प्रकार (Types of Digital Content)

डिजिटल कंटेंट अनेक रूपों में मौजूद है। मुख्य प्रकार इस प्रकार हैं –

### (1) टेक्स्ट आधारित कंटेंट (Text-based Content)

इसमें ब्लॉग, लेख, न्यूज आर्टिकल, ई-बुक, सोशल मीडिया पोस्ट और वेबसाइट सामग्री शामिल होती है।

उदाहरण: ब्लॉग पोस्ट, SEO आर्टिकल, न्यूज पोर्टल की रिपोर्ट आदि।

### (2) विजुअल कंटेंट (Visual Content)

यह आँखों के माध्यम से प्रभाव डालने वाला कंटेंट है, जैसे – तस्वीरें, ग्राफिक्स, इन्फोग्राफिक्स, मीम्स, स्लाइड्स आदि। उदाहरण: इंस्टाग्राम पोस्ट, Pinterest ग्राफिक्स, बैनर आदि।

### (3) वीडियो कंटेंट (Video Content)

यह सबसे लोकप्रिय और प्रभावी माध्यम है। वीडियो के जरिए भावनाएँ, जानकारी और कहानी बेहतर ढंग से व्यक्त की जा सकती हैं। उदाहरण: YouTube वीडियो, रील्स, ट्यूटोरियल्स, विज्ञापन वीडियो।

### (4) ऑडियो कंटेंट (Audio Content)

इसमें पॉडकास्ट, ऑडियो बुक्स, संगीत, इंटरव्यू आदि शामिल होते हैं।

उदाहरण: Spotify पॉडकास्ट, ऑडियो बुक्स आदि।

### (5) इंटरएक्टिव कंटेंट (Interactive Content)

इसमें उपयोगकर्ता की सहभागिता होती है। जैसे – क्विज़, पोल, गेम्स, या इंटरएक्टिव इन्फोग्राफिक्स।

#### 4. डिजिटल कंटेंट की विशेषताएँ (Key Features of Digital Content)

इंटरएक्टिविटी (Interactivity): उपयोगकर्ता सीधे कंटेंट से जुड़ सकता है – लाइक, कमेंट, शेयर या प्रतिक्रिया दे सकता है। सुगमता (Accessibility): यह 24x7 इंटरनेट के माध्यम से दुनिया के किसी भी कोने से उपलब्ध होता है। अपडेटेबिलिटी (Updatability): डिजिटल कंटेंट को आसानी से संपादित, बदला या अद्यतन किया जा सकता है। वायरलिटी (Virality): यदि कंटेंट आकर्षक हो तो वह बहुत तेज़ी से वायरल होकर लाखों लोगों तक पहुँच सकता है। मापनीयता (Measurability): एनालिटिक्स टूल्स की मदद से यह जाना जा सकता है कि कितने लोगों ने कंटेंट देखा, पसंद किया या साझा किया। कम लागत (Cost-effective): पारंपरिक मीडिया (टीवी, प्रिंट) की तुलना में डिजिटल कंटेंट तैयार करना और प्रसारित करना सस्ता है।

#### 5. डिजिटल कंटेंट का महत्व (Importance of Digital Content)

##### (1) सूचना का प्रमुख माध्यम:

आज लोग जानकारी पाने के लिए अखबार या टीवी की तुलना में इंटरनेट पर अधिक निर्भर हैं।

##### (2) मार्केटिंग का साधन:

कंपनियाँ अपने उत्पादों या सेवाओं को प्रमोट करने के लिए कंटेंट मार्केटिंग करती हैं।

##### (3) शिक्षा और प्रशिक्षण:

ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म जैसे Coursera, BYJU'S आदि डिजिटल कंटेंट के माध्यम से शिक्षा प्रदान करते हैं।

##### (4) मनोरंजन का स्रोत:

OTT प्लेटफॉर्म (Netflix, Hotstar, YouTube) पूरी तरह डिजिटल कंटेंट पर आधारित हैं।

##### (5) रचनात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम:

कंटेंट क्रिएटर अपनी कला, विचार और कहानी को दुनिया के सामने पेश कर सकता है।

#### 6. डिजिटल कंटेंट बनाम पारंपरिक कंटेंट

पारंपरिक कंटेंट डिजिटल कंटेंट, माध्यम प्रिंट, रेडियो, टीवी इंटरनेट, सोशल मीडिया, वेबसाइट पहुँचसीमित, स्थानीय वैश्विक (Global Reach) इंटरएक्शन एकतरफा द्विपक्षीय (User Interaction) लागत अधिक अपेक्षाकृत कम अपडेट कठिन तुरंत संभव परिणाम मापन मुश्किल Analytics द्वारा संभव है।

#### 7. डिजिटल कंटेंट के निर्माण की प्रक्रिया का संकेत

सामान्य रूप से एक डिजिटल कंटेंट बनाने की प्रक्रिया में निम्न चरण शामिल होते हैं – विषय का चयन रिसर्च और आइडिया डेवलपमेंट कंटेंट लेखन या निर्माण (टेक्स्ट/वीडियो/ऑडियो) एडिटिंग और प्रूफरीडिंग पब्लिशिंग प्रमोशन और एनालिटिक्स आदि स्तर आते हैं।

डिजिटल कंटेंट केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं है। यह कई क्षेत्रों में उपयोग किया जाता है – शिक्षा (Education): ई-कोर्स, ऑनलाइन क्लास, लेक्चर वीडियो। व्यवसाय (Business): मार्केटिंग कंटेंट, प्रोडक्ट डिस्क्रिप्शन, ईमेल कैंपेन। सरकार (Governance): डिजिटल सेवाएँ, सूचना पोर्टल, जनसंपर्क अभियान। स्वास्थ्य (Health): हेल्थ ब्लॉग, टेलीमेडिसिन वीडियो, फिटनेस गाइड। मनोरंजन (Entertainment): वेब सीरीज, ब्लॉग, शॉर्ट फिल्म, रील्स आदि।

### 9. डिजिटल कंटेंट का भविष्य (Future of Digital Content)

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), वर्चुअल रियलिटी (VR), और मेटावर्स जैसी तकनीकें डिजिटल कंटेंट को नए आयाम दे रही हैं। अब केवल जानकारी देना ही उद्देश्य नहीं रहा, बल्कि उपयोगकर्ता को अनुभव (Experience) प्रदान करना लक्ष्य बन चुका है। भविष्य में कंटेंट का रूप और भी अधिक इंटरएक्टिव, व्यक्तिगत (Personalized) और तकनीकी रूप से उन्नत होगा। “शैक्षणिक दृष्टि से डिजिटल कंटेंट केवल तकनीकी सामग्री नहीं, बल्कि वह माध्यम है जिसके ज़रिए शिक्षा को अधिक सजीव, सुलभ और विद्यार्थी-केंद्रित बनाया जा सकता है।”<sup>2</sup> इसीलिए शिक्षा शास्त्र में डिजिटल कंटेंट के विभिन्न “स्तर” (Levels) माने गए हैं, जो शिक्षण की गहराई, प्रयोग और उद्देश्य के अनुसार बदलते हैं।

### 10. डिजिटल कंटेंट का शैक्षणिक उपयोग

“डिजिटल कंटेंट वह शैक्षणिक सामग्री है जो डिजिटल रूप में तैयार की जाती है और जिसका उद्देश्य शिक्षार्थियों को ज्ञान, कौशल और अनुभव प्रदान करना होता है।”<sup>3</sup> यह किसी ई-पाठ (e-Lesson), ई-बुक, वीडियो लेक्चर, सिमुलेशन, या इंटरएक्टिव लर्निंग ऐप के रूप में हो सकता है। शैक्षणिक संस्थानों में उपयोग किया जाने वाला डिजिटल कंटेंट शिक्षार्थियों की समझ, रुचि और सीखने की गति के अनुसार विभिन्न स्तरों में तैयार किया जाता है।

### 11. डिजिटल कंटेंट के स्तरों की आवश्यकता

डिजिटल कंटेंट के स्तरों पर विशेष संशोधन आया है कि – “शिक्षण-सीखने की प्रक्रिया एकरूप नहीं होती। हर विषय, कक्षा, और विद्यार्थी की सीखने की क्षमता अलग अलग होती है।”<sup>4</sup> इसलिए डिजिटल कंटेंट को स्तरानुसार विभाजित करना आवश्यक होता है ताकि वह सभी वर्गों के लिए उपयोगी बन सके। डिजिटल कंटेंट के स्तर निर्धारित करने से निम्न लाभ मिलते हैं – शिक्षण सामग्री को क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत किया जा सकता है। शिक्षार्थियों की उम्र और समझ के अनुसार सामग्री तैयार की जा सकती है। शिक्षक के लिए कंटेंट चयन और उपयोग आसान हो जाता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के अनुरूप विविधतापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा मिलता है।

### 12. शैक्षणिक दृष्टि से डिजिटल कंटेंट के प्रमुख स्तर

शिक्षाशास्त्रियों और ई-लर्निंग विशेषज्ञों ने डिजिटल कंटेंट को सामान्यतः निम्न चार प्रमुख स्तरों में विभाजित किया है – प्राथमिक स्तर (Basic / Foundational Level), माध्यमिक स्तर (Intermediate Level), उच्च माध्यमिक स्तर (Advanced Level), उच्च शिक्षा या अनुसंधान स्तर (Higher Education / Research Level) आदि।

### ➤ प्राथमिक स्तर का डिजिटल कंटेंट

यह स्तर मुख्य रूप से प्राथमिक शिक्षा (कक्षा 1-5) के विद्यार्थियों के लिए तैयार किया जाता है। इस स्तर पर डिजिटल कंटेंट का उद्देश्य शिक्षा को रोचक, सरल और दृश्यात्मक बनाना होता है। मुख्य विशेषताएँ: चित्र, एनीमेशन, रंगीन ग्राफिक्स, और ऑडियो-विजुअल माध्यमों का अधिक उपयोग। छोटे-छोटे वीडियो या गेम आधारित शिक्षण मॉड्यूल। बालक की समझ और ध्यान अवधि को ध्यान में रखकर सामग्री का निर्माण। स्थानीय भाषा और सांस्कृतिक संदर्भों का प्रयोग। उदाहरण: “DIKSHA Portal” पर उपलब्ध कक्षा 1-5 के लिए वीडियो पाठ। एनसीईआरटी (NCERT) की इंटरएक्टिव ई-बुक्स। “BYJU’S Kids”, “Khan Academy Kids” जैसे ऐप्स। उद्देश्य: बच्चे में सीखने की जिज्ञासा और रुचि जगाना। विषय की बुनियादी समझ विकसित करना। भाषा, गणित, और पर्यावरणीय अध्ययन में दृश्य उदाहरणों द्वारा सिखाना।

### ➤ माध्यमिक स्तर का डिजिटल कंटेंट

यह स्तर कक्षा 6-10 के विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त होता है। इस स्तर पर विद्यार्थी की संज्ञानात्मक क्षमता विकसित हो चुकी होती है, इसलिए कंटेंट थोड़ा अधिक तार्किक और विषयगत होता है। मुख्य विशेषताएँ: पाठ्यवस्तु को विस्तार से प्रस्तुत किया जाता है। एनिमेशन के साथ अवधारणात्मक (Conceptual) समझ पर बल। वर्चुअल लैब्स (Virtual Labs) और सिमुलेशन टूल्स का उपयोग होता है। स्व-मूल्यांकन (Self-Assessment) के लिए क्विज़ और प्रश्नोत्तरी भी तैयार की जाती हैं। उदाहरण: “NROER” (National Repository of Open Educational Resources) पर उपलब्ध विषयवार वीडियो। CBSE ई-कंटेंट पोर्टल। “Toppr”, “Vedantu” जैसे प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन कक्षाएँ। उद्देश्य: विषयों में गहन समझ विकसित करना। तार्किक सोच और विश्लेषणात्मक दृष्टि को प्रोत्साहित करना। बोर्ड परीक्षाओं के लिए तैयारी में सहायता देना।

### ➤ उच्च माध्यमिक स्तर का डिजिटल कंटेंट

यह स्तर कक्षा 11-12 या स्नातक के प्रारंभिक वर्षों के विद्यार्थियों के लिए होता है। इस स्तर पर कंटेंट अधिक विश्लेषणात्मक, विषयगत और कौशल-आधारित होता है। मुख्य विशेषताएँ: विषय विशेषज्ञों द्वारा तैयार किए गए विस्तृत वीडियो लेक्चर। प्रयोगात्मक गतिविधियों के लिए वर्चुअल प्रयोगशालाएँ। इंटरएक्टिव पीडीएफ, 3D मॉडल, और डेटा विजुअलाइज़ेशन टूल्स का प्रयोग। विभिन्न स्रोतों से रिसर्च आधारित सामग्री का समावेश। उदाहरण: “SWAYAM” और “e-Pathshala” जैसे राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म। IITs और NPTEL के ऑनलाइन कोर्सेज। Physics Wallah, Unacademy आदि के विषयगत कंटेंट। उद्देश्य: विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना। स्व-अध्ययन की क्षमता विकसित करना। विषयगत गहराई और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।

### ➤ उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान स्तर का डिजिटल कंटेंट

यह स्तर विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों में उपयोग किया जाता है। इसमें कंटेंट का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि अनुसंधान और नये संशोधन को प्रेरित करना होता है।

ई-लाइब्रेरी, MOOCs (Massive Open Online Courses) का प्रयोग। डेटा एनालिसिस टूल्स, केस स्टडीज़, और उच्च स्तरीय प्रयोगात्मक सामग्री। मल्टीमीडिया, AI और सिमुलेशन आधारित शिक्षण साधनों का उपयोग। उदाहरण: “SWAYAM–PRABHA” चैनल पर विश्वविद्यालय स्तर के व्याख्यान। “Coursera”, “edX”, “NPTEL” के एडवांस कोर्स। “INFLIBNET” द्वारा प्रदत्त ई-लर्निंग संसाधन। उद्देश्य: उच्च स्तरीय शैक्षणिक दक्षता विकसित करना। शोध व नवाचार की क्षमता को बढ़ावा देना। शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाना।

#### ➤ सहायक स्तर (Supportive Levels)

मुख्य चार स्तरों के अतिरिक्त कुछ सहायक स्तर भी शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं – शिक्षक प्रशिक्षण स्तर (Teacher Training Level): शिक्षकों के लिए ई-कंटेंट जैसे वीडियो ट्यूटोरियल, वर्कशॉप, और वेबिनार, जिससे वे डिजिटल उपकरणों का प्रयोग सीख सकें। मूल्यांकन स्तर (Assessment Level): विद्यार्थियों के सीखने के आकलन हेतु ऑनलाइन क्विज़, टेस्ट, और एनालिटिक्स आधारित मूल्यांकन टूल्स। प्रशासनिक स्तर (Administrative Level): विद्यालय या विश्वविद्यालय प्रबंधन में डिजिटल डैशबोर्ड और रिपोर्टिंग सिस्टम का उपयोग।

#### ➤ डिजिटल कंटेंट के स्तर निर्धारण के मानदंड

किसी भी स्तर का निर्धारण करते समय निम्न बिंदु ध्यान में रखे जाते हैं – सीखने वालों की आयु और बौद्धिक क्षमता किया जाता है। विषय की जटिलता और उद्देश्य भी देखे जाते हैं। प्रयुक्त तकनीक और माध्यम भी देखा जाता है। सीखने की विधि – दृश्य, श्रव्य या इंटरएक्टिव। शिक्षण परिणाम (Learning Outcomes) को भी ध्यान में रखा जाता है।

#### ➤ शैक्षणिक नीति और डिजिटल कंटेंट

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP-2020) ने डिजिटल कंटेंट को शिक्षा की मुख्यधारा में शामिल किया है। इसके अंतर्गत निम्न बिंदुओं पर विशेष बल दिया गया है – प्रत्येक स्तर पर स्थानीय भाषा में डिजिटल सामग्री उपलब्ध कराना। डिजिटल विश्वविद्यालय (Digital University) की स्थापना। शिक्षकों को डिजिटल प्रशिक्षण देना। “One Nation, One Digital Platform” की अवधारणा को लागू करना।

#### ➤ डिजिटल कंटेंट के स्तरों से प्राप्त लाभ

सर्वसुलभ शिक्षा: ग्रामीण या दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों तक शिक्षा पहुँचाना। गुणवत्तापूर्ण शिक्षण: विशेषज्ञों द्वारा तैयार कंटेंट से शिक्षण गुणवत्ता बढ़ती है। समावेशी शिक्षा: सभी वर्गों, भाषाओं और क्षमताओं के छात्रों के लिए समान अवसर। व्यक्तिगत शिक्षण: विद्यार्थी अपनी गति से सीख सकते हैं। आजीवन शिक्षण (Lifelong Learning): किसी भी आयु में ऑनलाइन शिक्षा प्राप्त करना संभव।

#### ➤ चुनौतियाँ

डिजिटल कंटेंट के स्तरों के कार्यान्वयन में कुछ चुनौतियाँ भी हैं – तकनीकी अवसंरचना की कमी (इंटरनेट, डिवाइस)। डिजिटल साक्षरता का अभाव। भाषा विविधता और स्थानीयकरण की समस्या।

समाधान नीतिगत प्रयास, प्रशिक्षण कार्यक्रम और तकनीकी निवेश द्वारा किया जा सकता है। शैक्षणिक दृष्टि से डिजिटल कंटेंट के स्तर शिक्षा प्रणाली को समग्र, लचीला और आधुनिक बनाते हैं। इन स्तरों के माध्यम से शिक्षा केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हर विद्यार्थी तक पहुँचती है। आज डिजिटल कंटेंट शिक्षा का अभिन्न अंग बन चुका है – यह शिक्षक के लिए शिक्षण का सशक्त उपकरण है, विद्यार्थी के लिए ज्ञान का भंडार है, और राष्ट्र के लिए भविष्य निर्माण की आधारशिला है। इस प्रकार कहा जा सकता है कि – “डिजिटल कंटेंट के स्तर शिक्षा को न केवल तकनीकी दृष्टि से, बल्कि ज्ञानात्मक दृष्टि से भी नये आयाम प्रदान करते हैं।”<sup>5</sup>

#### निष्कर्ष: (Conclusion)

डिजिटल कंटेंट आधुनिक युग का ज्ञान, सूचना और मनोरंजन का प्रमुख माध्यम है। इसकी मदद से व्यक्ति, संस्था या सरकार अपने विचारों और संदेशों को तेजी से व्यापक जनसमूह तक पहुँचा सकती है। यह न केवल संवाद का माध्यम है, बल्कि रचनात्मकता, शिक्षा, व्यापार और सामाजिक जागरूकता का भी शक्तिशाली उपकरण है। इसलिए कहा जा सकता है कि “डिजिटल कंटेंट ही डिजिटल युग की भाषा है।”

#### संदर्भ संकेत:

1. डिजिटल मार्केटिंग स्ट्रैटेजी (Digital Marketing Strategy) - साइमन किंग्सनॉर्थ
2. द नेमसेक (The Name of the Book) - झुम्पा लाहिड़ी
3. न्यू इंडिया (New India) - एनी बेसेंट
4. Digital Marketing Analytics: In Theory And In Practice - Kevin Hartman
5. Digital Branding - Daniel Rowles